

106

अर्द्ध कुम्भ मेला 2016 के आयोजन के सम्बन्ध में मा0 मुख्यमंत्री जी की अध्यक्षता में गठित उच्च स्तरीय समिति की बैठक दिनांक 29-01-2015 अपराह्न 4.00 बजे का कार्यवृत्त:-

उपस्थिति-संलग्न

बैठक में सर्वप्रथम समिति को अर्द्ध कुम्भ मेला 2016 के आयोजन के सम्बन्ध में अवगत कराया गया कि अर्द्ध कुम्भ मेले के आयोजन हेतु अभी तक लगभग रु0 123.33 करोड़ के 15 कार्यों पर स्वीकृति प्रदान करते हुये लगभग रु0 35.76 करोड़ की धनराशि अवमुक्त की जा चुकी है। बैठक में मेले के आयोजन के सम्बन्ध में विस्तार से विचार-विमर्श के उपरान्त निम्नानुसार निर्णय लिये गये:-

1. मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा दिनांक 27-12-2014 को जनपद हरिद्वार में निरीक्षण के दौरान निम्नलिखित कार्य किये जाने के निर्देश दिये गये थे, जिन पर बैठक में यह निर्णय लिया गया कि मेलाधिकारी, हरिद्वार एक सप्ताह के अन्दर प्रस्ताव/आगणन शासन को उपलब्ध करायेंगे:-

1. सिंहद्वार से भूपतवाला/सप्तऋषि तक आस्था पथ का निर्माण किया जाये। गंग नहर के दोनों ओर सड़क मार्ग का निर्माण/सुधार/वृक्षारोपण/घूमने का मार्ग/पैदल मार्ग/बैचों का निर्माण। डाम कोठी से गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय/सिंहद्वार तक, सप्तऋषि तक नहर पटरी का निर्माण।

2. रोड़ीबेलवाला क्षेत्र के सौन्दर्यीकरण शहरी विकास विभाग द्वारा कराया जाये। हस्तशिल्प/स्थायी वेडिंग जोन/कला एवं संस्कृति/हाट/डिस्प्ले सी0सी0आर0 की ओर के क्षेत्र में/वी0आई0पी0घाट के पुल के दांयी ओर बनाये जायें। प्रवचन आदि गतिविधियां बैरागी कैम्प में शिफ्ट की जायें।

3. सतीकुण्ड मंदिर तक पैदल पुल का सिंचाई विभाग द्वारा निर्माण कराया जाये। कुशलता के साथ अतिक्रमण हटवाने के साथ सतीकुण्ड का सौन्दर्यीकरण कराया जाये।

4. हरकी पैड़ी क्षेत्र में नये पुल Arc Shaped में निर्मित किये जायें एवं पूर्व से निर्मित पुलों को आर्चसेप में किया जाये, जिससे कि सभी पुलों में एक रूपता आ सके। वी0आई0पी0 घाट का शिवजी की मूर्ति तक विस्तार किया जाये। सी0सी0आर0 के मध्य स्थित पुराने पुल को कवर करते हुए उसमें टाईल्स/फ्लोरिंग/रेलिंग का निर्माण कराया जाये। शिव मूर्ति तक सौन्दर्यीकरण (पानी का फव्वारा) कार्य कराया जाये। यह कार्य उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग द्वारा अपने विभागीय बजट से कराये जायेंगे।

5. शिवमूर्ति के सामने सड़क पार करके हैलीपैड का निर्माण किया जाये। यथासम्भव Elevated Helipad बनाया जाये। हैलीपैड से वी0आई0पी0 घाट तक Underpath बनाया जायें। स्थल का चयन मेलाधिकारी, जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार द्वारा किया जायेगा।

6. आपात स्थिति के लिये भूपतवाला क्षेत्र में अस्पताल का निर्माण कराया जाये इस हेतु नगर निगम द्वारा भूमि उपलब्ध करायी जायेगी।

7. हरकी पैड़ी क्षेत्र में 4-5 Gradient/ सीढ़ियाँ आरती वाली ओर मालवीय द्वीप पर बनायी जायें। हरकी पौड़ी का सौन्दर्यीकरण किया जाये। मालवीय द्वीप पर स्थिति सुरक्षा टॉवर को हटाये जाने अथवा नवीन तकनीक के साथ कम स्थान पर निर्मित किया जाये। महिला घाट को शिफ्ट कर हरकी पौड़ी का विस्तारीकरण किया जाये। कॉगड़ा पुल के अपस्ट्रीम में प्रस्तावित अस्थायी पुल को डबल लेन स्थायी पुल बनाया जाये। घाट के होटल/दुकानों के साथ वार्ता करके एक साईड से Entrance पर विचार-विमर्श किया जाये। प्रकाश व्यवस्था हेतु केवल High Mast lights लगायी जायें।

8. हर की पौड़ी- अलकनंदा होटल-रोड़ीबेलवाला-वी0आई0पी0 घाट के समस्त आसपास के क्षेत्र में समस्त वॉयरिंग (पब्लिक एड्रेस, विद्युत वॉयरिंग) को अन्डरग्राउन्ड वॉयरिंग किया जाये।

9. नगर निगम क्षेत्र में स्थाई शौचालयों के स्थलों का चिन्हीकरण मेयर नगर निगम, हरिद्वार एवं श्री सतपाल ब्रह्मचारी, पूर्व अध्यक्ष, नगर निगम, हरिद्वार के परामर्श से किया जायेगा।

(कार्यवाही शहरी विकास, विद्युत, सिंचाई, नागरिक उड्डयन विभाग, मेलाधिकारी)

2. मेला अधिष्ठान हेतु आवश्यकतानुसार धनराशि उपलब्ध करायी जाये तथा मेला नियंत्रण भवन की मरम्मत व रंगाई-पुताई के सम्बन्ध में प्राप्त आगणन लगभग रु0 102 लाख पर यथाशीघ्र स्वीकृति प्रदान की जाये।

(कार्यवाही शहरी विकास विभाग)

3. श्रवणनाथ नगर स्थित चिन्तामणि आश्रम के सामने स्थित गली से बेलवाला घाट को जोड़ने हेतु पैदल पुल का प्रस्ताव शासन को उपलब्ध कराया जाये।

(कार्यवाही शहरी विकास विभाग, मेलाधिकारी)

4. अर्द्ध कुम्भ मेला 2016 हेतु सर्वप्रथम हरिद्वार विकास प्राधिकरण के पी0एल0ए0 में उपलब्ध गत कुम्भ मेला 2010 की उपलब्ध धनराशि का व्यय किया जाये तथा तत्पश्चात् आवश्यकतानुसार वर्तमान वित्तीय वर्ष में राज्य आकास्मिकता निधि से धनराशि की व्यवस्था किये जाने पर विचार किया जाये।

(कार्यवाही शहरी विकास विभाग, मेलाधिकारी)

5. प्रारम्भ में अर्द्ध कुम्भ मेला 2016 के आयोजन की दृष्टि से प्रथम प्राथमिकता वाले रु0 500 करोड़ के कार्यों को चिन्हित करते हुये उनकी स्वीकृति के प्रस्ताव मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन की अध्यक्षता में गठित उच्च स्तरीय एम्पॉवर्ड समिति के समक्ष विचारार्थ प्रस्तुत किये जाये।

(कार्यवाही शहरी विकास विभाग, मेलाधिकारी)

6. लोक निर्माण, सिंचाई, ऊर्जा, पर्यटन, गृह आदि विभागों के स्थायी प्रकृति एवं लम्बी अवधि में पूर्ण होने वाले ऐसे निर्माण कार्यों के प्रस्ताव, जो मेले के आयोजन हेतु नितान्त आवश्यक है, उनका मेलाधिकारी द्वारा शीघ्रता से स्थलीय निरीक्षण करते हुये कार्यों को चिन्हित किया जाये एवं प्रस्ताव शासन को उपलब्ध कराये जाये।

(कार्यवाही कुम्भ मेले से सम्बन्धित सभी विभाग, मेलाधिकारी)

7. भीड़ नियंत्रण हेतु पुलिस विभाग द्वारा कुछ अन्य पुल भी प्रस्तावित किये गये हैं। पुलिस विभाग के अधिकारी, लोक निर्माण विभाग तथा मेलाधिकारी द्वारा आपस में समन्वय करते हुये अतिरिक्त आवश्यक पुलों के निर्माण का प्रस्ताव शासन को उपलब्ध कराया जाये।

(कार्यवाही गृह, लो0नि0वि0, मेलाधिकारी)

8. अर्द्ध कुम्भ मेला 2016 के आयोजन के दौरान यथासम्भव शौचालयों की व्यवस्था इस प्रकार की जाये कि उनका बाद में भी विभिन्न मेलों/पर्वों पर भी उपयोग किया जा सके। स्थायी शौचालयों के स्थल के चयन की कार्यवाही मेयर नगर निगम हरिद्वार तथा श्री सत्यपाल ब्रह्मचारी, पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका परिषद के परामर्श से की जायेगी। शौचालय एवं सफाई व्यवस्था आदि के सम्बन्ध में मेलाधिकारी द्वारा विस्तृत औचित्यपूर्ण प्रस्ताव तैयार किया जायेगा।

(कार्यवाही शहरी विकास विभाग, मेलाधिकारी)

9. पार्किंग स्थलों पर ही यात्रियों को अधिक सुविधाये उपलब्ध करायी जाये तथा पार्किंग स्थलों से शटल बस सेवा चलायी जाये। आई0जी0 गढ़वाल के परामर्श से मेलाधिकारी, हरिद्वार द्वारा पार्किंग व्यवस्था का मॉडल तैयार किया जायेगा।

(कार्यवाही आई0जी0 गढ़वाल, मेलाधिकारी)

10. पुलिस कर्मियों के प्रशिक्षण हेतु एक स्थायी बहुउद्देशीय सभागार का निर्माण किया जाये। स्थल का चयन मेलाधिकारी एवं आई0जी0 गढ़वाल द्वारा किया जायेगा।

(कार्यवाही आई0जी0 गढ़वाल, मेलाधिकारी)

11. मेले के दौरान मुख्य स्नानों के दिनों में सभी विभागों के सरकारी अधिकारियों/कर्मचारियों हेतु एक ड्रेस कोड निर्धारित किये जाने पर विचार किया जाये, ताकि उनकी पहचान आसानी से हो सके। उक्त अधिकारियों/कर्मचारियों को आर0एफ0आई0डी0 डिटेक्टर की व्यवस्था से जोड़े जाने पर भी विचार किया जाये।

(कार्यवाही आई0जी0 गढ़वाल, मेलाधिकारी)

12. सचिव, लोक निर्माण विभाग, उत्तराखण्ड शासन द्वारा अवगत कराया गया कि रोशनाबाद-बिहारीगढ़ मार्ग के डबल लेन एवं सुदृढीकरण का कार्य ए0डी0बी0/आपदा मद से कराया जाना सम्भव नहीं हो पा रहा है, जिसके दृष्टिगत उक्त कार्य को भी अर्द्ध कुम्भ मेला 2016 के अन्तर्गत ही कराये जाने की आवश्यकता बतायी गयी। उक्त के दृष्टिगत यह निर्णय लिया गया कि प्रकरण पुनः मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन की अध्यक्षता में गठित उच्च स्तरीय एम्पॉवर्ड समिति में विचारार्थ रखा जाये।

(कार्यवाही लो0नि0वि0, शहरी विकास विभाग, मेलाधिकारी)

13. ऊर्जा विभाग, लोक निर्माण विभाग, सिंचाई विभाग, जल संस्थान एवं पेयजल विभाग द्वारा एक-एक खण्ड को अर्द्ध कुम्भ मेला 2016 हेतु नोडल खण्ड के रूप में नामित किया जायेगा तथा नामित खण्ड द्वारा ही मेलाधिकारी, हरिद्वार के नियंत्रण में सभी खण्डों के साथ समन्वय करते हुये अपने विभाग से सम्बन्धित सभी कार्य एवं व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करायी जायेंगी।

(कार्यवाही ऊर्जा, लो0नि0वि0, सिंचाई, पेयजल विभाग)

14. मेला अधिष्ठान में मेलाधिकारी के नियंत्रण में तकनीकी सेल के गठन के सम्बन्ध में निर्णय लिया गया कि लोक निर्माण विभाग, विद्युत विभाग, सिंचाई, पेयजल एवं वित्त विभाग द्वारा एक-एक अभियन्ता/अधिकारी नामित किया जायेगा, जिनका वेतन उनके मूल विभाग से ही आहरित होगा।

(कार्यवाही ऊर्जा, लो0नि0वि0, सिंचाई, पेयजल, वित्त विभाग, मेलाधिकारी)

15. अर्द्ध कुम्भ मेला 2016 की दृष्टि से पुलिस उप महानिरीक्षक/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक/अपर पुलिस अधीक्षक मेला, संयुक्त निदेशक/उप निदेशक स्तर का स्वास्थ्य मेलाधिकारी, अपर मेलाधिकारी एवं उप मेलाधिकारी की तैनाती शीघ्रता से की जाये।

(कार्यवाही कार्मिक, गृह, स्वास्थ्य विभाग)

16. मेला प्रशासन एवं पुलिस विभाग के मध्य समन्वय का कार्य आयुक्त गढवाल मण्डल एवं महानिरीक्षक गढवाल द्वारा किया जायेगा।

(कार्यवाही आयुक्त , महानिरीक्षक गढवाल)

17. हरिद्वार विकास प्राधिकरण के वित्त अधिकारी द्वारा मेला अधिष्ठान के वित्त अधिकारी का कार्य ही देखा जायेगा।

(कार्यवाही वित्त, शहरी विकास विभाग)

18. जनपद हरिद्वार में सिंचाई, पेयजल, विद्युत, लोक निर्माण विभाग, जल संस्थान आदि द्वारा किसी अधिशासी अभियन्ता अथवा उच्च स्तर के अभियन्ता/अधिकारी को नोडल अधिकारी नामित किया जायेगा, जो मेले से सम्बन्धित सभी बैठकों में प्रतिभाग करेंगे तथा अपने समस्त विभागीय कार्यों का समन्वय करेंगे।

(कार्यवाही कुम्भ से सम्बन्धित सभी विभाग)

19. पूर्व से स्थापित पेयजल व्यवस्था के रख-रखाव का समस्त कार्य जल संस्थान द्वारा तथा अस्थायी सेक्टरों में पेयजल व्यवस्था एवं एस0टी0पी0 के कार्य पेयजल निगम द्वारा किये जायेगे।

(कार्यवाही पेयजल,मेलाधिकारी)

20. स्नान घाटो से निकासी की व्यवस्था इस प्रकार की जाये कि स्नान के बाद यात्री शीघ्रता से बाहर निकल सके।

(कार्यवाही गृह विभाग, मेलाधिकारी)

21. मेला क्षेत्र में जिन लोगो द्वारा अतिक्रमण किया गया है, उनके लिये वैकल्पिक व्यवस्था करते हुये अतिक्रमण शीघ्रता से हटाया जाये।

(कार्यवाही गृह विभाग, जिलाधिकारी हरिद्वार,मेलाधिकारी)

22. कांगड़ी क्षेत्र व चण्डीदेवी क्षेत्र में घाटो के निर्माण हेतु नमामि गंगै योजना के अन्तर्गत प्रस्ताव तैयार कर भारत सरकार को प्रेषित किये जाये।

(कार्यवाही पेयजल,जिलाधिकारी हरिद्वार)

23. यथा सम्भव दक्ष मन्दिर क्षेत्र में घाटो का निर्माण किया जाये, ताकि यात्री पार्किंग से निकलकर समीप ही स्नान करते हुये वापस जा सके।

(कार्यवाही मेलाधिकारी)

24. हरकी पैडी क्षेत्र में सभी विद्युत तारों एवं अन्य केविलों को अण्डरग्रउंड किये जाने की कार्यवाही की जाये।

(कार्यवाही ऊर्जा,मेलाधिकारी)

25. मेला क्षेत्र में नीलकण्ठ मन्दिर क्षेत्र को भी सम्मिलित किया जाये।

(कार्यवाही शहरी विकास,मेलाधिकारी)

26. अर्द्ध कुम्भ मेले की सुदृढ सुरक्षा व्यवस्था हेतु आवश्यकतानुसार अन्य प्रदेशों एवं भारत सरकार से पुलिस बल की मांग की जाये तथा पुलिस आधुनिकीकरण हेतु भारत सरकार से धनराशि की मांग की जाये। साथ ही मेले की आवश्यकता के दृष्टिगत अतिरिक्त धनराशि की व्यवस्था गृह विभाग के नियमित बजट में भी की जाये। यदि गृह विभाग द्वारा अर्द्ध कुम्भ मेले के बजट के अन्तर्गत धनराशि प्राप्त की जानी हो, तो इसका प्रस्ताव माह मार्च, 2015 से पूर्व मेलाधिकारी के माध्यम से शहरी विकास विभाग को उपलब्ध कराया जाये।

(कार्यवाही गृह, वित्त विभाग, मेलाधिकारी)
27. अर्द्ध कुम्भ मेले की सुरक्षा की दृष्टि से उत्तर प्रदेश राज्य के निकटवर्ती क्षेत्रों में सुदृढ निगरानी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाये एवं अभिसूचना तंत्र को मजबूत किया जाये।

(कार्यवाही गृह विभाग)
28. हरकी पैड़ी व अन्य भीड़ वाले स्थानों पर सोलर लाइट व रिंग मैन सिस्टम की व्यवस्था की जाये।
(कार्यवाही ऊर्जा, गृह विभाग, मेलाधिकारी)

उक्तानुसार निर्णय लेते हुये मा0 मुख्यमंत्री जी के धन्यवाद के साथ बैठक का समापन हुआ।

(डी0एस0 गब्याल)
सचिव।

संख्या 304 / IV(3) / 2014-4(06) / 2014, दिनांक 04 जनवरी, 2015
प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
2. अपर मुख्य सचिव, वित्त विभाग उत्तराखण्ड शासन।
3. प्रमुख सचिव, मा0 मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड शासन।
4. प्रमुख सचिव/सचिव लोक निर्माण/पेयजल/ऊर्जा/सिंचाई/परिवहन/पर्यटन/धर्मस्व एवं तीर्थाटन/खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति/ग्राम्य विकास/आवास/गृह/सूचना/वित्त/वन/संस्कृति/आयुष/पशुपालन/कृषि विभाग/चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
5. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
6. निजी सचिव, मा0 शहरी विकास मंत्री को मा0 मंत्री जी के संज्ञानार्थ हेतु प्रेषित।
7. जिलाधिकारी, हरिद्वार/पौड़ी/टिहरी/देहरादून।
8. मेलाधिकारी, हरिद्वार।
9. विशेष कार्याधिकारी, मेला, हरिद्वार।
10. एन0आई0सी0 सचिवालय परिसर देहरादून।
- ✓ 11. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,
(ओमकार सिंह)
उप सचिव।